लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Press Note 17 July 2020

University of Lucknow has been at the forefront in the fight against the Covid-19 virus. The century old institute has done everything possible to continue with the teaching and education of students, including online classes, availability of study material on an easily accessible website and even, counselling of isolated and worried students.

In the same context, as preparations to hold final year exams in various educational institutions of the country are going on, the University has made arrangements for students to access as many services as possible related to examinations online. On 17 July, 2020, the Hon'ble Vice Chancellor of the University of Lucknow, Prof. Alok Kumar Rai launched the new scheme called EASE: Electronic Access to Service of Examinations, aimed at making services related to examinations easily available to its enrolled students in a socially distanced event at his office. The program embodies Hon'ble VC Prof. Rai's firm belief that administrative processes must become easier and smoother for students. Currently, 11 services including application and issuance of a provisional certificate, migration certificate, duplicate copy of migration certificate, original and duplicate degrees, language certificate, transcripts, correction of marksheet, issuance of a duplicate marksheet, scrutiny and application to view answer sheets, are being provided online. The University is working towards adding more services in the near future. Given below are the different fees applicable for different certificates:

Migration/Provisional Certificate:	Rs. 1000/-
English version of degree/language certificate:	Rs. 600/-
Duplicate degree:	Rs. 1600/-
Degree fine (after 5 years):	Rs. 1200/-
Scrutiny fees per question paper (special):	Rs. 1200/-
Back paper improvement application fees (per paper):	Rs. 1000/-
Transcript (1st copy, 2nd copy, or more than one copy):	Rs. 2000/1000
Exempted examination fees:	
Undergraduate: As previously determined	
Post graduate (yearly): As previously determined	
Post graduate (semester): As previously determined	
Rashtragaurav Fees:	Rs. 1200/-
Duplicate mark sheet:	Rs. 500/-
Fast-track application (to obtain duplicate mark sheet in 4 days):	Rs. 1000/-

In order to avail these services, a student must be registered online. In order to complete the registration process, a student must have 3 things:

- A university enrolment number and roll number
- A valid email ID
- A valid mobile number

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

Each student must have their own email ID as all future correspondence will be carried out via their registered email ID only, and each email ID can only be registered once. Along with these, a student must have scanned copies of all their required documents in JPEG/PDF format ONLY, with each file between 100KB to 300KB in size. Once registration is complete, a student may select any of the currently available services under the EASE program and apply for a certificate. The University will take 7-15 days to verify the request and within that given frame, the student will be notified of the status of their application via the registered email ID and phone number.

Under the EASE program, students will be able to monitor the status of their application online as well as apply for more than one certificate at one given time.

कोविद -19 वायरस के खिलाफ लड़ाई में लखनऊ विश्वविद्यालय निरंतर आगे रहा है। अपने शताब्दी वर्ष में इस संस्थान ने छात्रों के लिए शिक्षण कार्य और अन्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए हमेशा प्रयास किया है, जिसमें ऑनलाइन कक्षाएं, आसानी से वेबसाइट पर अध्ययन सामग्री की उपलब्धता और यहां तक कि, चिंतित छात्रों की काउंसलिंग भी शामिल है। इसी संदर्भ में, जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अंतिम वर्ष की परीक्षा आयोजित करने की तैयारी चल रही है, लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रों की परीक्षाओं से संबंधित अधिक से अधिक सेवाओं तक ऑनलाइन पहुँच बनाने की व्यवस्था की है।

17 जुलाई, 2020 को लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो. आलोक कुमार राय ने एक नई योजना का शुभारंभ किया है, जिसका नाम **EASE**: इलेक्ट्रॉनिक एक्सेस टु सर्विसेस ऑफ़ एग्ज़ामिनेशन है, जिसका उद्देश्य अपने नामांकित छात्रों को परीक्षा से संबंधित सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराना है। इस सुविधा का प्रारम्भ कुलपति कार्यालय के कमेटी हाल मे सामाजिक रूप से दूरी बनाते हुए सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो॰ राय की उस दृढ़ धारणा को मूर्त रूप देता है कि प्रशासनिक प्रक्रिया छात्रों के लिए आसान और सुगम होनी चाहिए। वर्तमान में, एक अनंतिम प्रमाण पत्र, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट की डुप्लीकेट कॉपी, मूल और डुप्लीकेट डिग्री, लैंग्वेज सर्टिफिकेट, ट्रांसक्रिप्ट, मार्कशीट में सुधार, डुप्लीकेट मार्कशीट जारी करने, स्क्रूटनी और उत्तर पुस्तिका देखने के लिए आवेदन सहित 11 सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही है। विश्वविद्यालय निकट भविष्य में और सेवाओं को जोड़ने की दिशा में भी काम कर रहा है।

प्रवासन / अनंतिम प्रमाणपत्र:	रु 1000 / -
डिग्री का अंग्रेजी संस्करण/ भाषा प्रमाण पत्र:	रु 600 / -
डुप्लीकेट डिग्री:	रु 1600 / -
डिग्री (5 वर्ष के बाद):	रु 1200 / -
स्क्रूटनी फीस प्रति प्रश्न पत्र (विशेष):	रु 1200 / -

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

बैक पेपर सुधार आवेदन शुल्क (प्रति पेपर):	रु 1000 / -
प्रतिलेख (पहली प्रति, दूसरी प्रति, या एक से अधिक प्रति):	रु 2000/1000
इग्जेमटेड परीक्षा शुल्क:	
अंडरग्रेजुएट: जैसा कि पहले से निर्धारित है	
पोस्ट ग्रेजुएट (वार्षिक): जैसा कि पहले निर्धारित किया गया है	
पोस्ट ग्रेजुएट (सेमेस्टर): जैसा कि पहले से निर्धारित है	
राष्ट्रगौरव शुल्क:	रु 1200 / -
डुप्लीकेट मार्क शीट:	रु 500 / -
फास्ट-ट्रैक एप्लिकेशन (4 दिनों में डुप्लिकेट मार्क शीट प्राप्त करने के लिए):	रु 1000 / -

इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए, एक छात्र को ऑनलाइन पंजीकृत होना पड़ेगा। पंजीकरण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, एक छात्र के पास 03 चीजें होनी चाहिए:

- एक विश्वविद्यालय नामांकन संख्या और रोल नंबर

- एक मान्य ईमेल आईडी

- एक वैध मोबाइल नंबर

प्रत्येक छात्र के पास अपनी ईमेल आईडी होनी चाहिए, क्योंकि सभी भविष्य के पत्राचार केवल उनके पंजीकृत ईमेल आईडी के माध्यम से किए जाएंगे, और प्रत्येक ईमेल आईडी केवल एक बार पंजीकृत हो सकती है। इनके साथ, एक छात्र के पास अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां JPEG / PDF प्रारूप में स्कैन होकर उपलब्द होनी चाहिए जिन्हे आवश्यकता अनुसार अपलोड किया जा सके, और प्रत्येक फाइल 100KB से 300KB के बीच आकार की ही होनी चाहिए। एक बार पंजीकरण पूरा होने के बाद, छात्र **EASE** कार्यक्रम के तहत लॉगिन करके वर्तमान में उपलब्ध सेवाओं में से किसी का चयन कर सकता है और प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर सकता है। विश्वविद्यालय को अनुरोध को सत्यापित करने के लिए 7-15 दिन लगेंगे और उस दिए गए समयावधि के भीतर, छात्र को पंजीकृत ईमेल आईडी और फोन नंबर के माध्यम से उनके आवेदन की स्थिति के बारे में सूचित किया जाएगा। EASE कार्यक्रम के तहत, छात्र अपने आवेदन की स्थिति की ऑनलाइन निगरानी कर सकेंगे और एक ही समय में एक से अधिक प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे। ये प्रमाण पत्र उन्हे डाक द्वारा भी भेजे जाएंगे।

संकट के समय मे एन एस एस उत्तर प्रदेश की सेवा सराहनीय : उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश के कोविड संकट के समय मे पिछले 100 दिनों में किये गये कार्यों की समीक्षा वेबिनार में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार ने एन एस एस परिवार के द्वारा किये गए सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि संकट के समय मे किया गया कार्य विशेष रूप से सराहनीय और सार्थक होता है।
राष्ट्रीय सेवा योजना उत्तर प्रदेश के राज्य सम्पर्क अधिकारी डॉ0 अंशुमालि शर्मा और क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अशोक श्रोती के निर्देशन में रिव्यु वेबिनार आयोजित की गई।

वेबिनार का विषय क्षेत्रीय निदेशक डा0 अशोक श्रोती ने रखते हुए बताया कि 150 से भी अधिक गांवों का शत प्रतिशत आच्छादन, 75 से भी अधिक मास्क बैंक, हज़ारों छात्रों द्वारा आई गोट प्लेटफॉर्म पर प्रशिक्षण प्राप्त कर कोविड वालंटियर के रूप में सहयोग आदि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष कार्यों में शामिल हैं।

कोविड संकट के दौरान पूरे प्रदेश के विश्विद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयकों के साथ सभी जनपदों के जिला नोडल अधिकारियों ने अपने अपने जनपद के कार्यक्रम अधिकारियों को साथ लेकर स्वयं सेवकों को ऑनलाइन ट्रेनिंग, I GOT प्रशिक्षण, मास्क बनाने से लेकर गांवों को शत प्रतिशत मास्क आच्छादन , मास्क बैंक की स्थापना, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के लिये सहायता और जागरूकता, शेलटर हाउस और क्वारंटाइन सेन्टर में सहयोग, अनाज बैंक, कोविड वालंटियर्स के रूप में प्रदेश के चिकित्सा विभाग के साथ सहयोग, वृक्षारोपण, नशामुक्ति तथा मुस्करायेगा इंडिया इनिशिएटिव के तहत 300 से अधिक मेंटल हेल्थ मेंटर का सहयोग आदि कार्यों की चर्चा करए हुए कार्यक्रम समन्वयकों , जिला नोडल अधिकारियों ने उच्च शिक्षा राज्य मंत्री से सीधा संवाद किया।
इस अवसर पर डॉ राकेश द्विवेदी कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ विश्वविद्यालय ने ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कोविड-19 के विरुद्ध चलाए जा रहे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

आज 17 जुलाई 2020 को संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का अंतिम दिन में कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गंगाधर पंडा एवं शिल्पकार्न यूनिवर्सिटी, बैंकॉक के संस्कृत अध्ययन केंद्र के निर्देशक डॉ सोम्बत् मांगमीसुखश्री विशिष्ट वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए।

सभा के प्रारंभ में आयोजक पद्मश्री प्रोफ़ेसर बृजेश कुमार शुक्ला जी ने ज्योतिर्विज्ञान की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ग्रहों की कक्षा में चतुर्थ कक्षा के ग्रह के नाम पर उस दिन का नामकरण किया जाता है। अतः आज शुक्रवार ही क्यों है, इसका वैज्ञानिक कारण कालहोरा के सिद्धांत के रूप में ज्योतिष में बताया गया है । राहु को पृथ्वी की छाया मानने का सिद्धांत भास्कराचार्य ने बताया है । भास्कराचार्य ने लीलावती में पाई के स्थूल तथा सुक्ष्म मान पर प्रकाश डाला है । बृहत्संहिता के दकार्गल मैं भूगर्भ विज्ञान के सूत्र विद्यमान है । अनेक जलशिराओं का वर्णन प्रयोग सिद्ध है । परीक्षण नलिका (टेस्ट ट्यूब) से शिशु उत्पादन की विधि भी संस्कृत वाङ्मय में बताया गया है। वसन्तराज शकुन ग्रंथ में पशु पक्षियों की चेष्टाओं का वर्णन है। चरक संहिता में वनस्पतियों तथा वृक्षों का स्वरूप लक्षण तथा स्वास्थ्य चिकित्सा में उनका उपयोग वर्णित है। भवन निर्माण, मंदिर निर्माण तथा विमान शास्त्र का वैज्ञानिक निरूपण संस्कृत वाङ्मय में निरूपित है।

तत्पश्चात् प्रोफेसर गंगाधर पंडा, कुलपति, कोल्हान विश्वविद्यालय ने वृक्षों वनस्पतियों के भेद प्रभेद पूर्वक उनके विकास के साथ सामुद्रिक शास्त्र में स्त्री पुरुषों के लक्षण, धर्मशास्त्र संस्कारों की विधि तथा काल की वैज्ञानिक प्रक्रिया के साथ उपनयन, कर्णवेध, विवाह आदि संस्कारों की वैज्ञानिक दृष्टि पर प्रकाश डाला। चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से समगोत्र विवाह के निषेध तथा दुष्परिणाम, यज्ञ की वैज्ञानिकता, जठराग्नि की महत्ता, पर्यावरण विज्ञान अवतारों के सिद्धांत से सृष्टि का रहस्य,पंचमहाभूत उनके संरक्षण तथा गॉड पार्टिकल्स के पौराणिक रहस्य ऊपर वैज्ञानिक दृष्टि से प्रकाश डाला । श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी में मृण्मय पात्र में भोजन के वैज्ञानिक महत्व तथा हस्त पाद प्रक्षालन के व्यावहारिक विज्ञान सम्मत सिद्ध पर पंडा जी ने वैज्ञानिक दृष्टि से प्रकाश डाला।

थाईलैंड स्थित शिल्पकार्न यूनिवर्सिटी के संस्कृत अध्ययन केंद्र के निर्देशक प्रोफेसर सोंबत् मांगमीसुखश्री ने आयुर्वेद एवं योग विज्ञान के ऊपर अपना वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। थाईलैंड में आयुर्वेद का ज्ञान तथा वहां पर उपलब्ध कंबोडिया लिपि में संस्कृत की पांडुलिपियों के बारे में सब को अवगत कराया। आधुनिक कोविड-19 महामारी के उपचार में भारतीय आयुर्वेद ज्ञान का महत्व के ऊपर प्रकाश डाला ।

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
University of Lucknow, Lucknow

संगोष्ठी का संचालक डॉ. अशोक कुमार शतपथी एवं संयोजक डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र रहे।